यूपीईएस में रूसी स्टूडेंट ने अनुभवों को किया साझा

रूसी स्टूडेंट्स और टीचर्स ने कई वैश्विक संदर्भों पर रखे अपने विचार

DEHRADUN (21 Jan): यूपीईएस यूनिवर्सिटी में रूसी स्टूडेंट्स ने सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभवों को साझा किया. विवि के कंडोली व बिधोली कैंपस में एक पखवाड़े का इंडिया इमर्जिंग प्रोग्राम में रूस स्थित नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी हायरस्कूल आफ इकोनामिक्स विवि के 13 स्टूडेंट व चार फैकल्टी ने 15 दिनों तक वैश्विक सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य को प्रस्तुत किया.

आर्थिक सुधारों की दी जानकारी

रूसी टीम ने विवि के स्टूडेंट के साथ क्षेत्रों के स्कूलों, गांव व सामाजिक संगठनों की गतिविधियों का भी अध्ययन किया. यूपीईएस स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज के डीन डॉ. शुभाशीष गंगोपाध्याय ने भारत-रूस के स्टूडेंट को भारत के आर्थिक सुधारों के बारे में जानकारी दी. इस दौरान हिमालय पर्यावरण अध्ययन व संरक्षण संगठन (हेस्को) के संस्थापक पद्मभूषण डॉ. अनिल जोशी ने स्टूडेंट्स को वैश्विक पर्यावरण के बढ़ते खतरे और इसके त्वरित संरक्षण के उपायों को स्टूडेंट के बीच साझा किया. उन्होंने मानव सभ्यता के लिए जल, जंगल और जमीन पूर्व में भी अहम थी और आज भी महत्वपूर्ण है. यदि पर्यावरण बेहतर रहेगा तो सभी हम चंहुमुखी प्रगति की कल्पना कर सकते हैं. एक सत्र में भारत के कारपोरेट परिदृश्य पर चर्चा का रखा गया. जिसमें विशेषज्ञों ने पर्यावरण, सामाजिक विकास व शासनिक व्यवस्था की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया.